के दौरान अन्य जानवरों की वृद्धि दर क्या रही है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) 1985 और 1990 में की गई गणना के अनुसार एशियाई शेरों की संख्या इन वर्षों में क्रमश: 239 और 284 थी ।

(ख) वर्ष 1989–90 के दौरान 7 शेरों के दुर्घटना अथवा स्वाभाविक मौत के कारण मरने और एक शेर के मारे जाने की खबर है ।

शेरों की गणना करते समय कुछ अन्य प्रजातियों की भी गणना की गई । ऐसे अन्य पशुओं की 1985 और 1990 में की गई गणना के परिणाम विवरण में दिये गये हैं ।

विवरण

1985 और 1990 में की गई गणना के अनुसार गिर अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान में खुरदार पशुओं की संख्या :

प्रजाति का नाम	संख्या		प्रतिशतता
	1985	1990	बढ़ी या घटी
1. चीतल	10,466	27,600	(+) 164
2. सांभर	722	1,764	(+) 144
3. नीलगाय	2,081	1,524	(–) 27
4. चौसिंगा	1,063	427	(–) 60
5. चिकारा	311	927	(+) 213

सवाई माधोपुर बाघ परियोजना में बाघ

2405. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि सवाई माधोपुर बाघ परियोजना के अधिकांश बाघों को या तो मार दिया गया है या वे दूसरे स्थानों पर चले गये हैं और बाघों को देखने आने वाले पर्यटकों को निराश होकर लौटना पड़ता है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पर्यारण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) और (ख) राज्य सरकार ने सूचित किया है कि राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रणथम्भौर बाघ रिजर्व में बाघों के मारे जाने की खबर सही नहीं है । इस रिजर्व से बाघों के अन्यत्र चले जाने की खबर का भी राज्य सरकार ने खंडन किया है ।